शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

बुधवार 2 अप्रैल 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 22 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली दंगा मामले में बीजेपी नेता के खिलाफ जांच के आदेश

नईदिल्ली। दिल्ली की अदालत ने साल 2020 के दिल्ली दंगों में संलिप्तता को लेकर भाजपा नेता कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, दिल्ली में 24 फरवरी 2020 को शुरू हुआ दंगा 25 फरवरी को जाकर रुका था। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में हुए इस दंगे में 53 लोगों की जान चली गई थी और 250 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। दिल्ली के जाफराबाद, सीलमपुर, भजनपुरा, ज्योति नगर, करावल नगर, खजूरी खास, गोकुलपुरी, दयालपुर और न्यू उस्मानपुर समेत 11 पुलिस स्टेशन के इलाकों में दंगाइयों ने जमकर उत्पात मचाया था। इस दंगे में कुल 520 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गईं थीं।

अनारकली बिल्डिंग और डीडीए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आग

नई दिल्ली। नई दिल्ली के झंडेवालान इलाके की अनारकली बिल्डिंग और ष्ष्ठ शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को अचानक आग लग गई। मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंच गई हैं और आग बुझाने का काम जारी है। पुलिस भी राहत कार्य में जुटी हुई है। आग की चपेट में आने से आसपास खड़ी कई गाड़ियां जल गई हैं। अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी की याचिका खारिज

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी की याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने साबरमती आश्रम के पुनर्विकास परियोजना के खिलाफ अपील की थी। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने कहा कि वह याचिका पर सुनवाई नही करेंगे, क्योंकि याचिका दायर करने में दो साल से ज्यादा की देर हुई है। याचिका में कहा गया था कि इस परियोजना में 40 से ज़्यादा ऐसी इमारतों की पहचान की गई है।

मणिपुर पुलिस ने केसीपी -नयों ग्रुप के 5 उग्रवादी गिरफ्तार किए

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने उग्रवादी संगठन केसीपी-नयों ग्रुप के 5 सदस्यों को इम्फाल ईस्ट और इम्फाल वेस्ट जिलों से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1 पिस्तौल, 3 कारतूस, 1 पिस्तौल होलस्टर, 3 मोबाइल और 2 दोपहिया वाहन बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, ये लोग जबरन वसूली और धमकी देने जैसी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल थे।

उप्र के बुलडोजर एक्शन ने झकझोर दिया: सुप्रीम कोर्ट

2021 में घर गिराने पर कहा- यह अमानवीय; 10-10 लाख मुआवजा देने का आदेश

प्रयागराज। राष्ट्रबाण

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी को मकान गिराने पर फटकार लगाई। कोर्ट ने अधिकारियों के बुलडोजर एक्शन को अमानवीय और अवैध बताया। साथ ही कहा- 2021 में हुई इस कार्रवाई के दौरान दूसरों की भावनाओं और अधिकारों का ख्याल नहीं रखा गया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जवल भुइयां की बेंच ने कहा- देश में लोगों के रिहायशी घरों को इस तरह से नहीं गिराया जा सकता है। इसने हमारी अंतरआत्मा को झकझोर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- राइट टु शेल्टर नाम की भी कोई चीज होती है। उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है। इस तरह की कार्रवाई किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

प्रयागराज प्रशासन ने 2021 में गैंगस्टर अतीक की प्रॉपर्टी समझकर एक वकील, प्रोफेसर और 3 अन्य के मकान गिरा दिए थे। सुप्रीम कोर्ट में वकील जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों ने याचिका दाखिल की थी। ये वो लोग हैं, जिनके मकान तोड़े गए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इनकी याचिकाएं ठुकरा दी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी को आदेश दिया कि जिनके मकान गिराए गए हैं, उन्हें 6 हफ्तों के भीतर 10-10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए।

जस्टिस उज्जल भुइयां ने एक घटना का जिक्र किया

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां ने यूपी के अंबेडकर नगर में 24 मार्च की घटना का जिक्र करते हुए कहा, अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक तरफ झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाया जा रहा था तो दूसरी तरफ एक 8 साल की बच्ची अपनी किताब लेकर भाग रही थी। इस तस्वीर ने सबको शॉक्ड कर दिया था।

गैंगस्टर अतीक की जमीन समझ 5 मकान गिराए थे

सुप्रीम कोर्ट में जब पहले इस केस की सुनवाई हुई तो पीड़ितों की तरफ से वकील अभिमन्यु भंडारी ने दलील दी। उन्होंने कहा था, फ्रअतीक अहमद नाम का एक गैंगस्टर था, जिसकी 2023 में हत्या कर दी गई थी। अफसरों ने पीड़ितों की जमीन को अतीक की जमीन समझ लिया। उन्हें (राज्य को) अपनी गलती स्वीकार कर लेनी चाहिए। इस दलील पर यूपी सरकार ने कहा था कि हमने याचिकाकर्ताओं को नोटिस का जवाब देने के लिए उचित समय दिया था। इस बहस से जस्टिस ओका सहमत नहीं हुए। उन्होंने कहा, नोटिस इस तरह क्यों चिपकाया गया? कूरियर से क्यों नहीं भेजा गया? कोई भी इस तरह नोटिस देगा और तोड़फोड़ करेगा? ये तोड़फोड़ का एक ऐसा मामला है, जिसमें अत्याचार शामिल है।

फैक्ट्री से गैस-लीक, मालिक सहित 3 की मौत

ब्यावर। ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित 3 की मौत हो गई। दो लोगों की हालत अब भी गंभीर है। हादसे से प्रभावित 60 से ज्यादा लोगों ब्यावर और अजमेर सरकारी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। गैस के असर से कई पालतू जानवर और आवारा कुत्तों की भी मौत हुई है। घटना ब्यावर थाने के बाड़िया क्षेत्र की सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात 10 बजे की है। फैक्ट्री के नजदीक के कई घरों को खाली करवाया गया है।

इस हादसे में कंपनी मालिक सुनील सिंघल (47) की मौत हो गई। वो रातभर गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया था। सोमवार रात को ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, मंगलवार सुबह दो और पीड़ित नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया।

बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटा

मध्य प्रदेश के 21 मजदूरों की मौत, दो दिन पहले ही मजदूरी करने पहुंचे थे

अहमदाबाद। एजेंसी

गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 21 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 5 मजदूर मामूली रूप से घायल हैं।

फैक्ट्री डीसा तहसील के धुनवा रोड पर है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे।

2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए आए थे हादसे के शिकार सभी मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हरदा जिले के हंडिया गांव के रहने वाले हैं। फैक्ट्री से मिली जानकारी के मुताबिक सभी 2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए यहां आए थे और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है।

3 लोग 40 प्रतिशत से अधिक जल गए

डीसा एसडीएम नेहा पांचाल ने बताया कि घटना में घायल सभी लोगों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल 3 लोगों का इलाज चल रहा है। ये 40 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जांच जारी है।

बेचने का लाइसेंस था, बनाने का नहीं

दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वह इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखा बनवाते थे। हालांकि अब तक की जांच में पता चला है कि कंपनी मालिक के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस है, बनाने का नहीं, इसलिए स्थानीय पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एनकाउंटर, 1 आतंकी ढेर

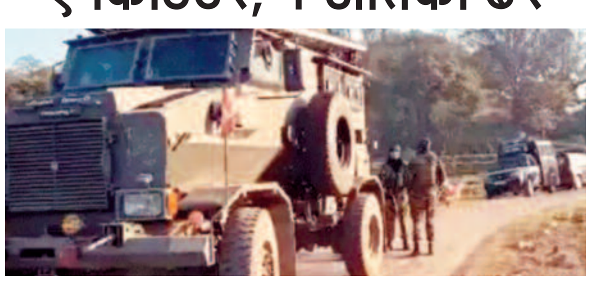

पंजतीर्थी मंदिर के पास छिपे 2 की तलाश जारी; 9 दिन में तीसरी मुठभेड़

श्रीनगर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पंजतीर्थी मंदिर के पास सोमवार रात से चल रही मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है। हालांकि, सुरक्षाबलों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स के मुताबिक 31 मार्च की रात इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली, जिसके बाद सेना ने राजबाग के रुई, जुथाना, घाटी और सान्याल के जंगली इलाकों के साथ-साथ बिलावर के कुछ हिस्सों में सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया। पंजतीर्थी में आतंकियों की तरफ से फायरिंग के बाद एनकाउंटर शुरू हो गया। सुरक्षाबलों ने रातभर इलाके की घेराबंदी की, ताकि जंगल में छिपे 3 आतंकी भाग न सकें। हालांकि, मंगलवार सुबह 7 बजे के बाद फायरिंग रुकी है। कश्मीर पुलिस, एनएसजी, सीआरपीएफ और बीएसएफ स्निफर डॉग्स और ड्रोन की मदद से आतंकियों की तलाश कर रही है।

9 दिनों में कठुआ में सुरक्षाबलों की आतंकियों से यह तीसरी मुठभेड़ है। पहली मुठभेड़ 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में हुई थी। सुरक्षाबलों को जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े 5 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी।

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में कल 12 बजे पेश होगा, 8 घंटे चर्चा होगी

अखिलेश बोले- विरोध करेंगे, योगी ने कहा- बदलाव समय की मांग

नई दिल्ली। एजेंसी

वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) ने जब इस बात की जानकारी दी, तब विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है।

हालांकि विपक्ष ने बीएसी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो और सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि हम बिल का विरोध करेंगे। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ में सुधार समय की मांग है। वक्फ संशोधन बिल पर आज भी लोकसभा में हंगामा हुआ। प्रश्नकाल खत्म होते ही विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद स्पीकर ने कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी थी। जदयू और टीडीपी के सुझाव सरकार ने माने सूत्रों के मुताबिक, दोनों पार्टियों ने वक्फ संशोधन बिल पर 3 सुझाव दिए थे। सरकार ने सभी को मान लिया है। हालांकि, अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कानून को पिछली तारीख से लागू नहीं करना चाहिए। पुरानी मस्जिद, दरगाह या दूसरे मुस्लिम धार्मिक स्थान से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

देश जानना चाहता है किसका क्या स्टैंडः संसदीय कार्य मंत्री

भाजपा ने व्हिप जारी कर अपने सांसदों को सदन में पूरे समय मौजूद रहने को कहा है। वहीं, कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को बजट सत्र के बाकी बचे तीनों दिन सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप जारी किया है। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि हम बिल पर चर्चा चाहते हैं। सभी राजनीतिक दलों को इस पर बोलने का अधिकार है। देश भी जानना चाहता है कि किस पार्टी का क्या स्टैंड है। अगर विपक्ष चर्चा में शामिल नहीं होना चाहता तो हम उन्हें रोक नहीं सकते।

अब शाम में भी लगेंगी अदालतें? बनी योजना

नईदिल्ली। एजेंसी

देश भर की जिला अदालतों में लंबित मामलों के भारी बोझ को कम करने के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय देश में 785 सायंकालीन अदालतों के काम करने की योजना बना रहा है। योजना के मुताबिक, मौजूदा अदालत परिसरों में ही शाम के समय ये सायंकालीन अदालतें काम करेंगी। इसके अधीन मामूली आपराध के मामले, मामूली संपत्ति विवाद के मामले और चेक विवाद के मामलों समेत ऐसे संक्षिप्त सुनवाई वाले मामले होंगे जिनमें अधिकतम तीन साल की सजा का प्रावधान है।

इस संबंध में विधि मंत्रालय ने एक कॉन्सेप्ट नोट तैयार किया है, जिसे पिछले महीने सभी राज्यों को भेजा गया था। इस नोट में कहा गया है कि ऐसे सायंकालीन अदालतों में पिछले तीन वर्षों के भीतर रिटायर हुए जिला न्यायाधीशों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने का प्रस्ताव है। इस काम के बदले उन्हें देय भत्तों के साथ-साथ उनके अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत राशि बतौर पारिश्रमिक मिलेगी।

कब से कब तक काम करेंगी ये अदालतें

नोट में यह भी कहा गया है कि ऐसी सायंकालीन अदालतें सभी कार्य दिवसों में शाम 5 बजे से रात 9 बजे के बीच काम करेंगी। इससे पहले के समय में नियमित अदालतें अपना काम सुचारू रूप से करेंगी। बाद में उन्हीं अदालतों की सुविधाओं का इस्तेमाल सायंकालीन अदालतों के लिए किया जाएगा। प्रस्तावित योजना के तहत, सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीशों और सेवानिवृत्त अदालती कर्मचारियों को तीन साल की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया जाएगा।

म्यांमार में भूकंप से भारी तबाही; मरने वालों की संख्या 2700 से अधिक हुई

नईदिल्ली। एजेंसी

म्यांमार में पिछले सप्ताह आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,700 से अधिक हो गई है जबकि हजारों लोग घायल हैं। देश की मीडिया में मे गलवार को जारी खबरों में यह जानकारी दी गई। वेस्टर्न न्यूज वेबसाइट पर जारी खबर के अनुसार, म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख और सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने राजधानी नेपीता में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भूकंप के कारण अब तक 2,719 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4,521 व्यक्ति घायल हैं और 441 लापता हैं। भूकंप से प्रभावित कई क्षेत्रों में अब भी बचाव दल नहीं पहुंच पाए हैं। इसलिए मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है।

भूकंप से प्रभावित कई इलाकों में अभी भी बचाव दल नहीं पहुंच पाए हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या अभी और ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। गुजरते दिन के साथ मलबे में जीवित बचे लोगों के मिलने की उम्मीद कम होती जा रही है। भूकंप के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मंगलवार को 1 मिनट का मौन रखा गया। म्यांमार में आज स्थानीय समयानुसार 12 बजकर 51 मिनट पर पूरे देश में मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सायरन बजने लगे। जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने भूकंप से हुई क्षति और जानमाल के नुकसान के प्रति सहानुभूति जताते हुए 31 मार्च से 6 अप्रैल तक राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

अगले हफ्ते प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव पूरा होगा, मोदी-भागवत की मुलाकात के बाद कवायद तेज

भाजपा के नए अध्यक्ष की घोषणा इसी महीने

नई दिल्ली। एजेंसी

भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष इसी महीने मिल जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागपुर दौरे के बाद चुनावी प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक 30 मार्च को मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की मुलाकात में नए अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई है।

मोदी के नागपुर से लौटने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह और संगठन महामंत्री बीएल संतोष से राज्यों के संगठनात्मक चुनाव पर चर्चा की।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने नड्डा और बीएल संतोष से कहा है कि इसी महीने भाजपा अध्यक्ष का चुनाव पूरा करें। भाजपा ने अब तक 13 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों में चुनाव पूरे करने जरूरी हैं।

सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते तक उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत बाकी बचे अधिकांश राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी जाएगी। यानी 50 प्रतिशत राज्यों के चुनाव पूरा होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकेगा।

फिलहाल केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा पार्टी के अध्यक्ष हैं जेपी नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और जनवरी 2020 में वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उनका कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब जब वे केंद्रीय मंत्री बन चुके हैं, तो पार्टी को नया अध्यक्ष चुनना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी का संविधान

भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुनने के लिए एक तय नियम और प्रक्रिया है। इन्ही नियमों को पूरा करने में हुई देरी के चलते अब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका है।

नए अध्यक्ष के सामने होंगे 12 अहम चुनाव

पार्टी के नियम के अनुसार बीजेपी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। एक व्यक्ति 2 बार से अधिक पार्टी का अध्यक्ष नहीं बन सकता। ऐसे में अब पार्टी के नए अध्यक्ष को 12 अहम चुनाव अपने कार्यकाल में कराने होंगे।

संपादकीय

गणतंत्र v/s राजशाही

नेपाल में गणतंत्र से मोहभंग और बढ़ती राजशाही समर्थन की मांग ने देश को हिंसा और अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। राजशाही समर्थक सक्रिय होते जा रहे हैं, जिसका कारण राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और आर्थिक समस्याएँ हैं।

नेपाल में एक बड़ी आबादी का दो दशक के भीतर ही गणतांत्रिक व्यवस्था से मोहभंग होना बताता है कि इन लोगों की उम्मीदें किस तरह टूट चुकी हैं। वहां राजशाही को वापस लाने की मांग हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि गणतंत्र और राजशाही समर्थक आमने-सामने हैं और इसका खामियाजा पूरे देश को हिंसा व अस्थिरता के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

गंभीर स्थिति

नेपाल में इस समय विभाजन साफ तौर पर देखा जा सकता है। एक तरफ तमाम लोकतंत्र समर्थक दल हैं और दूसरी तरफ राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (त्रक्कक्क)। 2008 में जब व्यापक जन आंदोलन के बाद संविधान सभा का गठन किया गया और राजा के शासन का अंत हुआ, उसके बाद से राजशाही समर्थक कभी इतने मजबूत और आक्रामक नहीं रहे। बीते शुक्रवार को जिस तरह राजधानी काठमांडू में विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो उठा और उसमें जानें गई, वह स्थिति की गंभीरता को दिखाता है।

राजा की सक्रियता

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने हाल के वक्त में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसके पहले तक वह सार्वजनिक रूप से बहुत कम दिखा करते थे। लेकिन, 9 मार्च को जब वह पोखरा से काठमांडू पहुंचे, तो उनके स्वागत में हजारों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसके बाद भी वह कुछ मौकों पर जनता के बीच आए और लोगों ने उन्हें सपोर्ट किया। यह सब न तो अनायास लगता है और न ही इसे सामान्य माना जा सकता है।

राजनीतिक अस्थिरता

नेपाल की जनता को क्यों फिर से अपने पूर्व राजा में उम्मीद दिखने लगी है? इसका जवाब है राजनीतिक दलों की विफलता। गणतंत्र लागू होने के बाद से यह देश 13 प्रधानमंत्री देख चुका है। किसी ने भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया और गठबंधन की राजनीति ने कभी देश को स्थिरता नहीं दी।

भ्रष्टाचार के आरोप

नेपाल की जनता का गुस्सा भ्रष्टाचार को लेकर भी है। कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रही, जिसे करप्शन के आरोपों का सामना न करना पड़ा हो। इसी दौरान, नेपाल की इकॉनमी लगातार डांवाडोल होती चली गई। वर्ल्ड बैंक की 2024 की रिपोर्ट कहती है कि सरकार का बजट सही तरीके से खर्च नहीं हो पा रहा है, और यह समस्या 2018 से चली आ रही है। टैक्स कम मिल रहा है और विकास कार्यों पर खर्च बहुत धीमा है। वित्तीय वर्ष 24 में सुधार के बावजूद त्रष्ठक्कग्रोथ 3.9 है।

जितने दावे नई और तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें चलाने के किए जाते हैं, उतना ही ध्यान अगर ट्रेनों के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और उसके मजबूत करने पर दिए जाएं, तो शायद हादसों को कुछ लगाम दिया जा पाता।

हादसों से नहीं ली जा रही सीख, पटरी से लगातार उतर रही ट्रेन

किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि आगे ऐसे इंतजाम किए जाएं ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर विडंबना है कि लगभग एक ही प्रकृति के हादसों का सिलसिला बना रहता है। सरकार की ओर से आगे सब ठीक करने के आश्वासन से ज्यादा कुछ भी ठोस सामने नहीं आता। पिछले कुछ वर्षों से देश भर में रेल हादसों की जैसी खबरें आ रही हैं, उससे यही लगता है कि रेल सुरक्षा को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है और कभी भी किसी दुर्घटना की खबर आ सकती है। सवाल है कि अगर देश के अलग-अलग हिस्सों में आए दिन रेलगाड़ियां हादसों का शिकार हो रही हैं, तो उसके लिए किसकी जवाबदेही बनती है और उसमें सुधार के लिए ठोस उपाय करने की जिम्मेदारी किसके कंधे पर है।

गौरतलब है कि ओड़ीशा के कटक जिले के निर्गुड़ी में रविवार को बंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के ग्यारह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और अन्य कई लोग घायल हो गए। हो सकता है कि कटक में हुई दुर्घटना में जानमाल का ज्यादा नुकसान न होना राहत की बात मानी जाए, लेकिन ग्यारह डिब्बों का पटरी से उतरना एक गंभीर घटना ही है। सच यह है कि एक छोटी चूक या लापरवाही की वजह से बहुत सारे लोगों की जान पर बन आती है और इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें ट्रेन हादसे में बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने वाला है रेलवे विभाग

ऐसे हर हादसे के बाद सरकार की ओर से जांच और कार्रवाई करने की बात कही जाती है, लेकिन सवाल है कि चलती ट्रेन के पटरियों से उतरने और उससे उपजे जोखिम से यात्रियों को कब मुक्ति मिलेगी। लोग कब इस आशंका से पूरी तरह मुक्त होकर किसी ट्रेन से सफर करेंगे कि वह हादसे का शिकार न हो और वे सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं?

अक्सर ऐसी खबरें सुर्खियों में होती हैं, जिनमें बताया जाता है कि रेलवे विभाग जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने वाला है। इस तरह के सरकारी दावों के बरक्स हकीकत यह है कि आए दिन किसी ट्रेन के पटरी से उतर जाने की खबर आती है, तो कभी किसी अन्य हादसे की। अगर दुर्घटना को लेकर लोगों के भीतर किसी तरह का केवल डर भी बैठता है, तो इसका कारण लगातार होने वाले रेल हादसे ही होते हैं।

तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें

जितने दावे नई और तमाम सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेनें चलाने के किए जाते हैं, उतना ही ध्यान अगर ट्रेनों के संचालन, बुनियादी ढांचे के विकास और उसके मजबूत करने पर दिए जाएं, तो शायद हादसों को कुछ लगाम दिया जा पाता। विचित्र है कि ट्रेनों की रफ्तार और उनके बोझ में तो लगातार इजाफा हो रहा है, मगर उसी मुताबिक पटरियों की गुणवत्ता और व्यवस्थागत पहलू को भी बेहतर करना जरूरी नहीं समझा जाता।

सवाल है कि सिर्फ इस मामले में बरती जाने वाली उपेक्षा की वजह से अगर कोई रेलगाड़ी पटरी से उतर जाती है और हादसा हो जाता है, तो क्या सिर्फ जांच और कार्रवाई के आश्वासन के जरिए इस समस्या से पार पाया जा सकता है? आधुनिक शक्ल और महंगे किराए वाली ट्रेनें चलाने के बीच आए दिन छोटे-बड़े हादसे सामने आ रहे हैं और दूसरी ओर, भारतीय रेल महकमे में बड़ी तादाद में रिक्तियां पड़ी हुई हैं। सवाल है कि अगर सरकार ट्रेन हादसों पर लगाम लगाने का भरोसा देती भी है, तो लचर बुनियादी ढांचे और पदों के खाली रहने की स्थिति में उसका आधार क्या होगा?

तैनाती में अधिकारी दिखाते हैं चतुराई

नौकरशाही को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त करने की सिफारिशें लंबे समय से की जाती रही हैं। मगर इस दिशा में किसी भी सरकार ने गंभीरता से पहल नहीं की। यह परिपाटी-सी बन गई है कि जब भी सरकार बदलती और कोई दूसरा दल सत्ता की कमान संभालता है, तो बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं। हर राजनीतिक दल सत्ता संभालने के साथ ही अपने करीबी और भरोसेमंद अधिकारियों को जिम्मेदार पदों पर पदस्थ करता और उन्हें लंबे समय तक वहां बनाए रखने का प्रयास करता है।

अब संसद की एक स्थायी समिति ने कहा है कि अधिकारियों को लंबे अरसे तक एक ही जगह पदस्थ किए रखने से भ्रष्टाचार बढ़ता है। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से संबंधित चालू वर्ष की अनुदान मांगों पर अपनी रपट पेश करते हुए कहा कि अधिकारियों की बारी-बारी से स्थानांतरण की प्रचलित नीति लागू की जानी चाहिए।

अधिकारी ईमानदारी से काम करें तो एक जगह रहना बेहतर

संसदीय समिति ने अपनी जांच में पाया कि कुछ अधिकारी आठ-नौ वर्षों से एक ही मंत्रालय में जमे हुए हैं। कुछ अधिकारियों ने अपनी तैनाती में कुछ इस तरह चतुराई दिखाई है कि उनका पूरा कार्यकाल एक ही मंत्रालय में बीता है। करीब पंद्रह वर्ष पूर्व जब अधिकारियों की थोड़े-थोड़े समय पर तबादलों की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंगुलियां उठनी शुरू हुई थीं, तब प्रशासनिक आयोग ने सिफारिश की थी कि किसी भी अधिकारी का तबादला तीन वर्ष से कम समय में न किया जाए, ताकि वे एक स्थान पर रह कर कुछ बेहतर काम कर सकें। मगर अब इसके उलट प्रवृत्ति विकसित हुई देखी जा रही है, तो यह भी चिंता का विषय है। निस्संदेह कुछ अधिकारी ईमानदारी और संजीदगी से काम करते हैं और उनका एक जगह लंबे समय तक बने रहना लाभदायक साबित होता है।

व्यापार

केंद्रीय कर्मचारियों की नई स्कीम आज से लागू, कैसे मिलेगा फायदा, जानें डिटेल

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए काम की खबर है। आज 1 अप्रैल 2025 से लाखों केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) शुरू की जाएगी। कम से कम 25 साल की सेवा वाले केंद्र सरकार के कर्मचारी नई यूपीएस के तहत रिटायरमेंट से पहले अंतिम 12 महीनों के अपने औसत बेसिक सैलरी के 50 प्रतिशत के बराबर एक निश्चित पेंशन के लिए पात्र होंगे। केंद्रीय कर्मचारी इस योजना से 30 जून 2025 तक जुड़ सकते हैं। इस योजना में कुछ जरूरी शर्तें भी हैं। आइए जानते हैं डिटेल में...

योजना के नियम और शर्तें

पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने कुछ सप्ताह पहले यूपीएस के संचालन के लिए नियमों को अधिसूचित किया था। वित्त मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, ÷पीएफआरडीए ने 19 मार्च, 2025 की राजपत्र अधिसूचना के जरिए से पीएफआरडीए विनियम, 2025 जारी किए हैं। यह एनपीएस के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए भारत सरकार द्वारा 24 जनवरी, 2025 को जारी यूपीएस अधिसूचना का अनुसरण करता है। ये नियम 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे।

एनपीएस से यूपीएस में कैसे करें स्विच

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से यूपीएस में स्विच करने के इच्छुक पात्र व्यक्ति आधिकारिक वेबसाइट npscra.nsdl.co.in/ups.php पर जाकर आसानी से माइग्रेशन प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। जमा करने के लिए फिजिकल फॉर्म भी उपलब्ध हैं।

यूपीएस रोलआउट– केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस), राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में नामांकित कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट प्रॉफिट स्ट्रक्चर में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है।

पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने हाल ही में यूपीएस को लागू करने के लिए आवश्यक विनियमों को पूरा किया है। यह योजना केंद्र सरकार के कर्मचारियों के तीन समूहों पर लागू होगी–

मौजूदा केंद्र सरकार के कर्मचारी जो 1 अप्रैल, 2025 तक सेवा में हैं और पहले से ही राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत कवर हैं।

नए भर्ती हुए कर्मचारी जो 1 अप्रैल, 2025 को या उसके बाद केंद्र सरकार की सेवाओं में शामिल होते हैं।

केंद्र सरकार के कर्मचारी जो एनपीएस के अंतर्गत आते थे लेकिन 31 मार्च, 2025 को या उससे पहले रिटायर हो गए। इसके अलावा वीआरएस के तहत रिटायर कर्मचारी भी इसका फायदा ले सकेंगे।

विजय केडिया ने इस शेयर से एक झटके में कमा लिए 41 करोड़

क्रैश बाजार में तूफान बना शेयर

टू और थ्री व्हीलर सेगमेंट की छोटी कंपनी अतुल ऑटो के शेयर आज 1 अप्रैल को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच कंपनी के शेयर में आज 16प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। इसी के साथ यह शेयर 511.15 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। इससे पहले इसका पिछला बंद प्राइस 441.40 रुपये था। बता दें कि आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1200 अंक से अधिक और निफ्टी 300 अंकों से अधिक टूट गए थे।

शेयरों में तेजी की वजह

अतुल ऑटो के शेयर में तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, कंपनी ने मार्च में घरेलू बिक्री में 17.5प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की है, जो इंटरनल कम्बस्चन इंजन (आईसी) थ्री व्हीलर्स की मजबूत मांग के कारण संभव हुई है।कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, अतुल ऑटो ने मार्च 2025 में घरेलू बाजार में 3,391 तिपहिया वाहन बेचे, जबकि एक साल पहले यह संख्या 2,886 इकाई थी। इस वृद्धि का नेतृत्व आईसी इंजन थ्री-व्हीलर की बिक्री में 34.26प्रतिशत की वृद्धि ने किया, जो मार्च 2024 में 2,017 से बढ़कर 2,708 इकाई हो गई। हालांकि, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर की बिक्री साल-दर-साल 42.94 प्रतिशत घटकर 473 इकाई रह गई, जबकि इलेक्ट्रिक रू की बिक्री 425प्रतिशत बढ़कर 210 इकाई हो गई। निर्यात सहित, कुल बिक्री 3,693 इकाई रही, जो मार्च 2024 की तुलना में 18.06प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। पूरे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, निर्यात सहित अतुल ऑटो की कुल बिक्री 34,012 इकाई तक पहुंच गई, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 30.62प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

विजय केडिया की कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी

कंपनी में शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया की भी बड़ी हिस्सेदारी है। केडिया के पास कंपनी के 50,50,505 शेयर हैं। यह 18.20 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। इसके अलावा, केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के नाम से विजय केडिया के पास 7,51,512 शेयर यानी 2.71 फीसदी स्टेक है। यानी कुल मिलाकर केडिया के पास कंपनी के 5,802,017 शेयर हैं। इसका मतलब है आज एक ही दिन में विजय केडिया को करीब 41 करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। बता दें कि पिछले तीन महीनों में 14.77प्रतिशत की गिरावट के बावजूद, पिछले तीन सालों में स्टॉक में 190.95प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले सप्ताह में, अतुल ऑटो के स्टॉक में 6.31प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सेंसेक्स से बेहतर प्रदर्शन है, जिसमें इसी अवधि में 2.28प्रतिशत की गिरावट आई।

जीएसटी कलेक्शन में बंपर उछाल

मार्च महीने में सरकार के खजाने में आए 1.96 लाख करोड़

ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन के मोर्चे पर अच्छी खबर है। मार्च महीने में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 9.9 प्रतिशत बढ़ गया और यह 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह जानकारी मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में दी गई है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का घरेलू लेनदेन से रेवेन्यू 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि इम्पोर्टेड गुड्स से रेवेन्यू 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये रहा।

मार्च के दौरान कुल 'रिफंड' 41 प्रतिशत बढ़ गया और यह 19,615 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद मार्च, 2025 में नेट जीएसटी रेवेन्यू 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो एक साल पहले इसी महीने की तुलना में 7.3 प्रतिशत अधिक है।

फरवरी में 183,646 करोड़ रुपये था कलेक्शन: आपको बता दें कि इससे पहले फरवरी महीने में घरेलू सोर्सेज से टैक्स कलेक्शन में डबल अंकों की बढ़ोतरी के कारण वस्तु एवं सेवा टैक्स कलेक्शन 9.1प्रतिशत बढ़कर 183,646 करोड़ रुपये हो गया था। जनवरी में जीएसटी कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसमें पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12.3प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई थी। दिसंबर में जीएसटी कलेक्शन 1.77 लाख करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 7.3प्रतिशत बढ़ोतरी दिखाता है। यह नवंबर में दर्ज 8.5प्रतिशत की बढ़ोतरी से धीमा था, जिसका कारण त्योहार के बाद खपत में कमी थी। बजट में सरकार ने वर्ष के लिए जीएसटी रेवेन्यू में 11प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जिसमें केंद्रीय जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर सहित 11.78 लाख करोड़ रुपये का कलेक्शन होने का अनुमान है।

टूटते बाजार में भी रॉकेट बना यह शेयर, 10 टुकड़ों में शेयर बांट चुकी है कंपनी

बाजार में हाहाकार के बीच मोतीसंस ज्वैलर्स के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर मंगलवार को बीएसई में 8प्रतिशत से अधिक चढ़कर 18.14 रुपये पर जा पहुंचे हैं। ज्वैलरी कंपनी अपने शेयरों का बंटवारा कर चुकी है।

बाजार में तेज गिरावट के बीच ज्वैलरी कंपनी मोतीसंस ज्वैलर्स के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। कंपनी के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 8 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 18.14 रुपये पर जा पहुंचे हैं। स्मॉलकैप कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 33.40 रुपये है। वहीं, ज्वैलरी कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 14 रुपये है। मोतीसंस ज्वैलर्स अपने शेयरों का भी बंटवारा कर चुकी है।

10 टुकड़ों में अपने शेयर बांट चुकी है कंपनी

मोतीसंस ज्वैलर्स शेयरों का भी बंटवारा कर चुकी है। ज्वैलरी कंपनी ने अपने शेयरों का 10 टुकड़ों में बांटा है। कंपनी ने नवंबर 2024 में 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा। मोतीसंस ज्वैलर्स का आईपीओ 18 दिसंबर 2023 को खुला था और यह 20 दिसंबर तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 55 रुपये था। ज्वैलरी कंपनी के शेयर 26 दिसंबर 2023 को तगड़े फायदे के साथ 103.90 रुपये पर बीएसई में लिस्ट हुए। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयर 109 रुपये पर लिस्ट हुए थे।

छह महीने में 40प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए हैं मोतीसंस के शेयर

ज्वैलरी कंपनी मोतीसंस ज्वैलर्स के शेयर पिछले 6 महीने में 40 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। कंपनी के शेयर 1 अक्टूबर 2024 को 31.72 रुपये पर थे। ज्वैलरी कंपनी के शेयर 1 अप्रैल 2025 को 18.14 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अब तक मोतीसंस ज्वैलर्स के शेयरों में 35 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को 28.56 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 1 अप्रैल 2025 को 18.14 रुपये पर पहुंच गए हैं। ज्वैलरी कंपनी का मार्केट कैप 1761 करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 66 पर्सेंट है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 34 पर्सेंट है।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 2 अप्रैल 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहा दवाखाना।

जिले में मौत बांट रहे झोलाछाप डॉक्टर

बीएमओ को शिकायत का इंतजार, जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे जिम्मेदार

चढ़ोत्तरी तो नहीं कार्यवाही नहीं करने की वजह

बालाघाट। राष्ट्रबाण

जिले में बिना मान्यता प्राप्त, फर्जी डिग्री और अधूरे दस्तावेजो के बलबूते कई दवाखाने व क्लीनिक चल रहे है और इस बात में कोई अतिश्योक्ति भी नही है। क्योकि पूर्व में कई क्लीनिको पर कार्यवाही भी हो चुकी है। लेकिन कुछ क्लीनिको पर विभाग ने भरपूर संरक्षण भी दे रखा है, जिन पर अनेको शिकायतों के बाद भी कार्यवाही नही होती और रसूखदारो की क्लीनिकों पर जांच कार्यवाही ना होना, जिम्मेंदारो की भ्रष्ट कार्यप्रणाली की ओर ईशारा होता है। बहरहाल, मीडिया के जरिये ही अब उन क्लीनिको और दवाखानो के नामो से भी पर्दा उठने लगा है जो कही ना कहीं बिना मान्यता के ही संचालित किये जा रहे है।

सुत्रो से मिली जानकारी के अनुसार तहसील कटंगी में पुराने पेट्रोल पंप के पास पाथरवाडा चौक पर डॉ सिबाजीत सरकार बंगाली द्वारा भी क्लीनिक संचालित किया जा रहा है। जिनके पास क्लिलिक संचालन हेतू मान्य आर्हता अनुसार कोई डिग्री भी नही है और वैध दस्तावेंजो का भी अभाव है। इसी विषय को लेकर पूर्व में कुछ जागरूक लोगो ने मौखिक शिकायत भी की थी, जिसके तहत दो वर्ष पूर्व कार्यवाही भी हुई थी और स्वास्थ विभाग की टीम ने उनके क्लीनिक को सील कर दिया था। वही उसके दो माह बाद विभाग ने उक्त क्लीनिक को पूर्णतः बंद कर देने के आदेश भी जारी कर दिये थे, लेकिन आज वही क्लीनिक कही ना कही स्वास्थ विभाग के खुले सरंक्षण के चलते खुलेआम व बेखौफ चल रहा है। जबकि यह क्लीनिक सामुदायिक स्वास्थ केंद्र कटंगी से लगभग आधा किमी दूरी पर ही संचालित हो रहा है, जिस पर जिम्मेंदार बीएमओ का भी कोई ध्यान नही है। पूर्व में की गई उक्त कार्यवाही बीएमओ और तात्कालीन तहसीलदार के द्वारा की गई थी। साथ ही मकान मालिक को भी सख्त हिदायत दी गई थी कि यहां क्लीनिक संचालन हेतू कमरा ना दिया जाये। परंतु सबकुछ सेंटिग से सरेआम चल रहा है।

डॉ सिबाजीत सरकार: आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़, जिम्मेदार लुटा रहे प्यार।

अधिकारियों की लापरवाही

कटंगी के पाथरवाडा मार्ग पर फर्जी तरीके से संचालित डॉ सिबाजीत सरकार बंगाली का क्लीनिक जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों की लापरवाहियों को उजागर करता है। पूर्व में हुई शिकायतो व जांच कार्यवाहीयों के मुताबिक इस क्लीनिक का संचालन प्रतिबंधित रहना चाहिये तथा संचालन पाये जाने पर स्वास्थ विभाग को इसकी नियमित जाचं भी करना चाहियें। लेकिन खंड चिकित्सा अधिकारी पंकज दुबे मौन और उन्हे ब्लॉक स्तर पर संरक्षण भी दे रहे है। सुत्रो की माने से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग में पदस्थ निजी क्लीनिक शाखा के बाबूओं के द्वारा भी उन्हे सरंक्षण दिया जा रहा है। इस तरह स्वास्थ महकमे द्वारा फर्जी डाक्टरो को क्लीनिक संचालन हेतू छूट देना, कही ना कही मरीजो के साथ खिलवाड किया जाना ही है।

शिकायत पर करेंगे कार्यवाही

इस संबंध में कटंगी बीएमओ पंकज दुबे से जब बात की गई तो उन्होने कहा कि जब कोई शिकायत होगी तब कार्यवाही की जायेगी। जहां उनका यह कथन हास्यस्पद लग रहा है और उनके सरंक्षण को साफ झलका रहा है। क्योकि उनके कार्यालय से कुछ ही दूरी पर ही यह क्लीनिक सचांलन हो रहा है, जिसकी जानकारी उन्हे पूर्व से भी है। परंतु कार्यवाही करने के लिये वे सजग दिखाई नही दे रहे है। इससे समझ आता है कि फर्जी डाक्टर के द्वारा एक शासकीय चिकित्सक/अधिकारी बीएमओ और जिला अस्पातल मे निजी क्लीनिक शाखा प्रभारी के बाबूओ को लेनदेन करके किस कदर मैनेज किया जा रहा है।

बालाघाट में सड़क हादसे में एक की मौत

भाई का इलाज कराकर लौट रहे थे, तीन लोगों को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। रूपझर थाना क्षेत्र के छपरवाही में गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे यह हादसा हुआ।

27 वर्षीय देवानंद वल्के अपने बड़े भाई सहानंद (37) और काका के बेटे आनंद (22) के साथ गोंदिया से इलाज कराकर लौट रहे थे। रास्ते में एक ट्रैक्टर ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में देवानंद की मौत हो गई। सहानंद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से रात 10 बजे जिला अस्पताल लाया गया। परिजनों को जानकारी मिलने पर वे रात 12 बजे के बाद अस्पताल पहुंचे। तब तक देवानंद की मौत हो चुकी थी। गंभीर हालत में सहानंद को बेहतर इलाज के लिए नागपुर मेडिकल रेफर कर दिया गया। आनंद को मामूली चोटें आईं।

बिरसा थाना क्षेत्र के बिठली निवासी देवानंद अपने मानसिक रूप से बीमार भाई सहानंद का इलाज कराने 31 मार्च को गोंदिया गए थे। उनके साथ सिवनी जिले के अरी थाना क्षेत्र के पंढरवानी निवासी आनंद भी था। अस्पताल चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले ने बताया कि शुक्रवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले की जांच के लिए मर्ग डायरी संबंधित थाने को भेजी जा रही है।

बालाघाट में कांग्रेस विधायकों ने कलेक्टर से की शिकायत

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में नाम नहीं लिखने का आरोप

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट में कांग्रेस विधायकों ने कलेक्टर से मुलाकात कर प्रोटोकॉल उल्लंघन की शिकायत की है। विधायक अनुभा मुंजारे, मधु भगत और विवेक पटेल ने मंगलवार को कलेक्टर मृणाल मीणा से मिलकर अपनी नाराजगी जताई।

दरअसल, 23 मार्च को परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के देवरी में मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह कार्यक्रम हुआ था। विधायक मधु भगत ने बताया कि जनपद पंचायत बालाघाट के सीईओ ने कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र में सांसद और विधायक का नाम नहीं लिखा।

विधायक मुंजारे बोली- कन्यादान योजना किसी एक दल की नहीं: विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना किसी एक दल की नहीं है। फिर भी कांग्रेस विधायकों के क्षेत्रों में उन्हें दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने इस मामले को जनता के सम्मान से जोड़ा है।

जनपद अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग

लालबर्रा में विवाह तिथि रद्द करने का मामला भी उठा। विधायकों की मांग है कि इसके लिए जनपद अध्यक्ष को पद से हटाया जाए। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि प्रशासन सत्ता के दबाव में काम कर रहा है। विधायकों ने इस मामले की शिकायत मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री से भी की है। उनकी मांग है कि प्रोटोकॉल में सांसद के साथ-साथ क्षेत्रीय विधायक से लेकर सरपंच तक को उचित सम्मान मिलना चाहिए।

कर्मचारी-अधिकारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सिवनी। सिवनी में कर्मचारी और अधिकारी संघ ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के तहत सिवनी सहित पूरे मध्य प्रदेश के शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी इस मांग को उठा रहे हैं। संघ की प्रमुख मांग है कि सभी एनपीएस धारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया जाए। विशेष रूप से नवीन शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों के लिए प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता मान्य करने की मांग की गई है। इसके साथ पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण का लाभ भी दिए जाने की मांग है।

बेबस भाई की फरियाद: मेरा गेहूं हड़प लिया, अब दो इच्छामृत्यु

बड़े भाई का आरोप, छोटे भाई ने जबरन काट ली फसल, कलेक्टर से शिकायत

बैतूल। राष्ट्रबाण

मुलताई तहसील के ग्राम मालेगांव में पारिवारिक जमीन विवाद के चलते एक 49 वर्षीय अविवाहित, बेसहारा और गंभीर बीमारी से पीडित किसान इंसाफ की गुहार लगा रहा है। पीड़ित सिद्धार्थ बुआड़े (पवार) का कहना है कि उनके छोटे भाई गौतम पवार और उसकी पत्नी ममता पवार ने मौजा ग्राम ग्यारसपुर, प.ह.न.45 ग्राम पंचायत मलकापुर, तहसील बैतूल स्थित खसरा न.137/6 में उनके स्वामित्व की भूमि की गेहूं की फसल को जबरन काट लिया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित ने बताया कि यह विवाद कोर्ट में लंबित है और 24 अक्टूबर 2024 को माननीय न्यायालय ने वेदान्त पिता गौतम बुआड़े को निषेधाज्ञा आदेश जारी किया था। बावजूद इसके, छोटे भाई ने उन्हें बेदखल करने और उनकी रोजी-रोटी छीनने की कोशिश की। सिद्धार्थ बुआड़े ने कहा कि पिता बंशीलाल बुआड़े ने यह जमीन उनके नाम की थी, लेकिन छोटे भाई ने अपने नाबालिग बेटे के नाम पर क्रयपत्र के जरिए इसे रजिस्ट्री करवा लिया, जिससे वे और उनकी बहनें सिन्धु कसारे व सरिता पठाडे बेदखल हो गए।

पीड़ित ने बताया कि वह शारीरिक रूप से कमजोर और बेरोजगार हैं। जीविका के लिए वह अपनी हिस्से की जमीन पर खेती कर रहे थे, लेकिन 27 अक्टूबर 2024 को गौतम पवार और ममता पवार ने जबरन उनकी सोयाबीन की फसल काट ली। इसकी शिकायत गंज थाना बैतूल में दर्ज करवाई गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अब एक बार फिर, 31 मार्च 2025 को गौतम पवार, ममता पवार और गुरदीन राठौर (खण्डारा किला) ने उनकी गेहूं की फसल काट ली और 1 अप्रैल 2025 को उसे थ्रेशिंग के लिए जमा कर दिया। जब सिद्धार्थ बुआड़े ने उन्हें रोका, तो उसे जान से मारने की धमकी देकर खेत से भगा दिया गया।

पीड़ित ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उसकी गेहूं की फसल, जो लगभग 35 क्विंटल होगी, उसे वापस दिलाई जाए, क्योंकि यह उसके जीवन-यापन का एकमात्र सहारा है। उसने यह भी कहा कि वह शारीरिक अक्षमता और गरीबी के कारण कोई काम नहीं कर सकता और गांव के दादा के पुराने, मकान में अकेले रहता है।

अब वह बार-बार शिकायत करने की स्थिति में नहीं है और उसने प्रशासन से या तो न्याय दिलाने या इच्छामृत्यु की अनुमति देने की अपील की है। पीड़ित ने गंज थाना, पुलिस अधीक्षक बैतूल और न्यायालय से स्टे ऑर्डर की प्रतियां संलग्न करते हुए अपनी शिकायत कलेक्टर जनसुनवाई में दी है।

सांसद कप क्रिकेट प्रतियोगिता : सर्कुलर बॉयज ने तश्वी कंस्ट्रक्शन को हराया

छिंदवाड़ा। राष्ट्रबाण

छिंदवाड़ा जिले के सांसद विवेक बंटी साहू की प्रेरणा से इंदिरा गांधी क्रिकेट मैदान में सांसद कप क्रिकेट टूर्नामेंट में आज 2 मैच खेले गए। टूर्नामेंट के सचिव संदीप मालवीय ने बताया कि पहला मैच सर्कुलर बॉयज क्लब् छिंदवाड़ा व तश्वी कंस्ट्रक्शन परासिया के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तश्वी कंस्ट्रक्शन परासिया क्लब् ने 8.5 ओवर में 10 विकेट पर 40 रन बनाएं जिसमे 13 रन रोनित सिंग राजपूत ने बनाये।

सर्कुलर बॉयज के गेंदबाज शोएब खान व श्रीमन्त पाटनकर ने 4-4 विकेट लिए। 41 रनों के लक्ष्य को सर्कुलर बॉयज क्लब् ने 3.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। सर्कुलर बॉयज क्लब् के बल्लेबाज अंचित ठाकुर ने 27 रन बनाये। तश्वी कंस्ट्रक्शन परासिया क्लब् के गेंदबाज शुभम सोमकुंवर ने 2 विकेट लिए। मैच 7 विकेट से सर्कुलर बॉयज क्लब् ने जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

मैच में अंपायर राजा खान ,रजत कडु व अंकित राजपूत रहे स्कोरर संतोष कहार व शुभम खेलवाड़ी कमेंट्रेटर श्रांत चंदेल व ऋषभ मलिक रहे।

मुख्य अतिथि अभिजीत परमार रहे। टूर्नामेंट में आयोजन समिति के अध्यक्ष विक्रम अहाँके वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक वर्मा उपाध्यक्ष बबलू विश्वकर्मा सचिव संदीप मालवीय ,भाजपा खेल प्रकोष्ठ अध्यक्ष अंकित सोलंकी, अंकित राजपूत, भीष्म चौहान, अम्बर सूर्यवंशी उपस्थित रहे

कल के मैच

कल का पहला मैच दोपहर 3 बजे से जीवीआईटी क्लब व पीजी कॉलेज छिंदवाड़ा के मध्य खेला जाएगा
कल का दूसरा मैच शाम 6:00 बजे से स्पार्टा वारियर्स क्लब् छिंदवाड़ा व सतपुडा टाइगर्स क्रिकेट क्लब् छिंदवाड़ा के मध्य खेला जाएगा।

दादिया में आयोजित हो रहा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान सप्ताह

लालबर्रा। राष्ट्रबाण

मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम दादिया में श्रीमद् भागवत कथा कथा ज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया है जिसके तहत 30 मार्च रविवार को दोपहर 3:00 बजे से 6:00 बजे तक कलश शोभा यात्रा निकल गई एवं ज्वारा की स्थापना की गई इसके पश्चात अगले दिन 31 मार्च सोमवार को शाम 6:00 बजे से कथा का आरंभ किया गया इसी तरह 5 अप्रैल दिन शनिवार को दुर्गा अष्टमी पूजा 6 अप्रैल रविवार को रामनवमी पूजा एवं शोभायात्रा 7 अप्रैल सोमवार को हवन पूजन एवं भंडारा वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है इसी क्रम में जस सम्राट रुद्रकांत ठाकुर बरघाट का विशाल देवी जागरण 3 अप्रैल गुरुवार को रात्रि 9:00 बजे से आयोजित किया गया है। भागवत कथा कथा व्यास पंडित राजेश दुबे पीठाधीश्वर रक्तांबर पीठ दादिया के मुखारबिंद से संगीत में वातावरण में सुनाई जा रही है कथा सुनने के लिए धर्म प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं।

डाईट प्राथमिक शाला एमएलबी में मर्ज

पालक-शिक्षक संघ ने कहा- जहां शिफ्ट किया, उसकी इमारत जर्जर ; विरोध जताया

बालाघाट। राष्ट्रबाण

बालाघाट में स्कूल चले हम अभियान के तहत 1 अप्रैल को आयोजित प्रवेशोत्सव में एक विवाद सामने आया। डाईट प्राथमिक स्कूल के पालक-शिक्षक संघ ने कार्यक्रम का विरोध किया। विरोध का मुख्य कारण स्कूल का एमएलबी स्कूल में विलय का निर्णय है। पालक चाहते हैं कि उनके बच्चों के स्कूल को सीएम राइज स्कूल में विलय किया जाए।

स्कूल की प्रधानपाठिका संध्या तिवारी ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर एमएलबी स्कूल में विलय किया जा रहा है।

250 स्टूडेंट्स एमएलबी स्कूल ट्रांसफर

वर्तमान में डाईट के भवन परिसर में नगरपालिका के महात्मा गांधी स्कूल को स्थानांतरित किया जा रहा है। इस कारण लगभग 250 विद्यार्थियों को एमएलबी स्कूल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है।

शिक्षक बोले- एमएलबी स्कूल की इमारत जर्जर

पालक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष रितेश सोनवाने ने एमएलबी स्कूल की भवन स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एमएलबी स्कूल की इमारत जर्जर है। उनकी मांग है कि बच्चों को नए और सुरक्षित भवन वाले सीएम राइज स्कूल में स्थानांतरित किया जाए। पालक सुनीता ढेंगारे ने कहा कि वे अपने बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा और माहौल चाहते हैं। पालकों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाती, वे न तो प्रवेशोत्सव मनाएंगे और न ही बच्चों को स्कूल भेजेंगे।

शाही संदल, कव्वाली सहित विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

चांगोटोला(मऊ) दरगाह का सालाना उर्स आज

बालाघाट। राष्ट्रबाण

जिला मुख्यालय से करीब 47 किमी दूर चांगोटोला के ग्राम मऊ दरगाह में हर साल की तरह इस साल भी सालाना उर्स मुबारक का आयोजन किया गया है।जहां 2 अप्रैल बुधवार को हजरत बाबा मोहम्मद गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह के इस सालाना उर्स में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।

जहा उर्स मुबारक के इस मौके पर 2 अप्रैल को दोपहर 3 बजे शाही संदल निकालकर बाबा के आस्ताने में अकीदत के फूल और चादर पेश कर विशेष फातिहा होगी।जिसके बाद अकीदतमंदों द्वारा देश मे अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की सामूहिक दुवाएं होंगी।वही अकीदतमंदों को तबरुकात तकसीम कर अन्य कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।वही रात्रि 9 बजे अजीमो शान कव्वाली का आयोजन किया जाएगा।जहा मशहूर कव्वाल अनीश नवाब ,बाबा की शान में एक से बढ़कर एक कलाम पेश करेंगे।जिसके अगले दिन 3 अप्रैल गुरुवार को कुल शरीफ की फातिहा कर इस उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा।मऊ दरगाह में आयोजित उर्स मुबारक के अवसर पर उर्स कमेटी ने बाबा के चाहने वालो से इस उर्स मुबारक पर तशरीफ़ लाकर रूहानी फैज हासिल करने की दरखास्त की है।

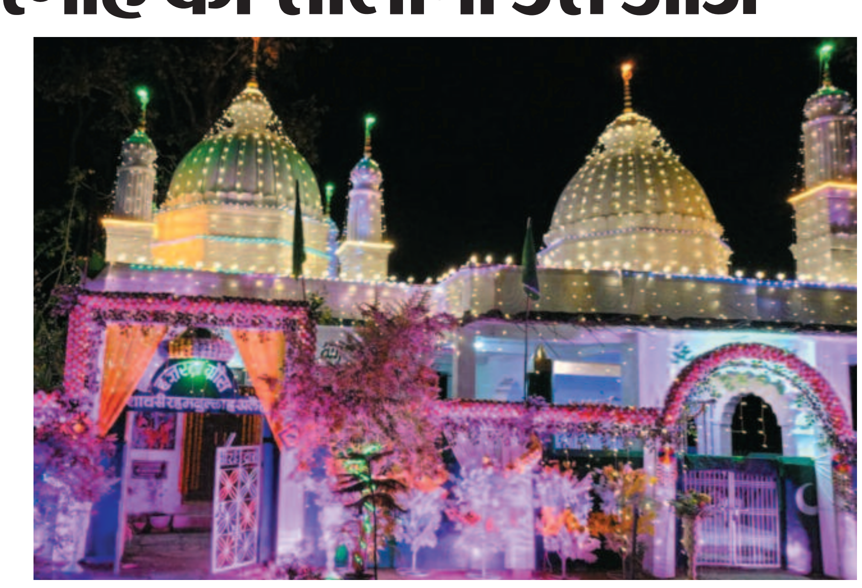

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 2 अप्रैल 2025

सिवनी-बैतूल राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण • मुलताई • बैतूल बाजार • आमला • भैंसादंड • सारणी • बोरदई • आठनेर

भगवा ध्वज का अपमान हिंदू समाज बर्दाश्त नहीं करेगा

बैतूल के अंबेडकर चौक पर भगवा ध्वज को तोड़कर फेंका हिंदू सेना ने दर्ज कराई एफआईआर

- रामनवमी की तैयारियों के बीच धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से मचा बवाल
- प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय बोले- धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

बैतूल। राष्ट्रबाण

बैतूल में रामनवमी की तैयारियों के बीच एक बड़ी घटना सामने आई है, जिसने हिंदू समाज की भावनाओं को आहत कर दिया है। शहर में बीते एक सप्ताह से राष्ट्रीय हिंदू सेना के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा प्रमुख मार्गों को भगवा ध्वज, बैनर और तोरण से सजाया जा रहा था। हर साल की तरह इस बार भी हिंदू सेना द्वारा रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा निकाली जानी है, जिसके चलते पूरे शहर को भगवामय बनाया जा रहा था। इसी क्रम में बैतूल नगर के अंबेडकर चौक पर भी भगवा ध्वज लगाए गए थे, लेकिन बीती रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने इन झंडों को तोड़कर फेंक दिया। जैसे ही यह खबर फैली, हिंदू समाज में आक्रोश फैल गया। मौके पर राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय समेत संगठन के कई प्रमुख पदाधिकारी पहुंचे। पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

इस घटना के बाद हिंदू सेना के कार्यकर्ता और पदाधिकारी आक्रोशित हो गए। प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने इसे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा यह कृत्य हिंदू विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने पुलिस से मांग की कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए।

अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज

इस मामले में कोतवाली थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की तलाश कर रही है। हिंदू सेना ने साफ कर दिया है कि हिंदू समाज अपने धर्म और आस्था का अपमान सहन नहीं करेगा और जल्द से जल्द दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेगा।

घटना के विरोध में राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, प्रांत सह संगठन मंत्री शुभम इगले, तहसील युवा उपाध्यक्ष जयत सचिन विश्वकर्मा, प्रखंड मंत्री अरविंद मासोदकर सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

असामाजिक तत्वों को नागवार गुजर रही शोभायात्रा

युवा जिला सह संयोजक अमित यादव ने बताया कि राम जन्मोत्सव शोभायात्रा को लेकर शहर में भगवा ध्वज लगाए गए थे, लेकिन किसी अज्ञात व्यक्ति ने अंबेडकर चौक पर लगे ध्वजों को तोड़कर हिंदू समाज का अपमान किया है। विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे ने कहा कि यह कृत्य समस्त हिंदू समाज के खिलाफ है और इसे किसी भी हाल में सहन नहीं किया जाएगा। नगर महामंत्री बिट्टू गोयल ने कहा कि हिंदू समाज हर साल प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाता है और भव्य शोभायात्रा निकालता है। लेकिन इस यात्रा की सफलता असामाजिक तत्वों को नागवार गुजरती है, इसलिए वे इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। नगर संयोजक रोहित मालवीय ने कहा कि ऐसे कायर लोग सामने से वार नहीं कर सकते, इसलिए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं।

24 लाख की ज्वैलरी लूट का खुलासा सिवनी में मामा-भांजे की साजिश

- आभूषण व्यापारी के साथ हुई 24 लाख की लूट के आरोपियों को 24 घंटे में पुलिस ने किया गिरफ्तार
- व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते जानलेवा हमला एवं लूट की वारदात को अंजाम दिया

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी पुलिस ने 24 लाख रुपये के आभूषणों की लूट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लूटे गए सभी आभूषण भी बरामद कर लिए हैं। एक आरोपी अभी भी फरार है।

घटना 30 मार्च की है। सौरभ ज्वैलर्स के मालिक नारायण सोनी शाम 7 बजे जेवरात से भरा बैग लेकर कुरई से खवासा जा रहे थे। रिद्धी टेक तिराहे के पास एक सफेद कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो लोगों ने मारपीट कर उनसे जेवरात का बैग छीन लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह वारदात अंधरगांव के संजीत सोनी और उसके भाई संदीप सोनी ने अपने मामा विकास सोनी के साथ मिलकर की थी। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि घटना के बाद कार को रिड्डी में विवेक राठौर के घर के पास छिपा दिया था। लूट का माल संजीत की महाराष्ट्र के भंडारा जिले की हरदुली में स्थित दुकान में छिपा दिया गया था। लूटे गए माल में सोने के डबल कुंदा पेंडल, सिंगल कुंदा पेंडल, झाला, चेन टॉप्स, अंगूठी, पत्ती, दाने, झुमके और चांदी की पायल, हाफ कर्दन, बिछिया, झालर पायल समेत कई आभूषण शामिल थे। इस कार्रवाई में एसडीओपी बरघाट ललित गठरे, थाना प्रभारी कुरई निरीक्षक कुपाल शाह तेकाम समेत पूरी टीम शामिल रही।

ये चीजें हुई बरामद

जप्त मशरूका – सोने के डबल कुंदा पेंडल, सिंगल कुदां पेंडल, झाला, चेन टाप्स, अंगूठी, पत्ती, दाने, झूमके, लेडिज अंगूठी, फैंसी लटकन, हाय चैन एवं चांदी की पायल, हाफ कर्दन, अंगूठी, लेडिज अंगूठी, जुडवे, बिछियां, झालर पायल, फेंसी पायल, लाकेट, चांदी छन्नी, बच्चो के कडे कुल जुमला किमती 24,00,000 रूपये के गहने । एक मानक रंग की फोर्ड फिएस्टा कार की कीमत 4,00,000 रुपये है।

सराहनीय कार्य : एस.डी.ओ.पी. बरघाट ललित गठरे के निर्देशन में थाना प्रभारी कुरई निरीक्षक कृपाल शाह तेकाम, थाना प्रभारी अरी आशीष खोब्रागडे, सउनि देवेन्द्र जायसवाल (सायबर सेल), सउनि अजय सिंह परिहार, प्र.आर. सत्य कुमार इनवाती, आरक्षक बालचंद नगरधने, आरक्षक अविनाश पाण्डेय, आरक्षक यशपाल उइके, आरक्षक अजय बघेल (सायबर सेल) सैनिक प्रकाश जंगेला का योगदान रहा।

दो आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी 01- संदीप सोनी पिता लखिन्दर सोनी उम्र 25 साल निवासी ग्राम अंधडगांव थाना अधंडगाव जिला भण्डारा महाराष्ट्र हाल निवास थाना कुरई जिला सिवनी (दिवाकर ज्वेलर्स की दुकान कुरई में)

02- संदीप सोनी पिता लखिन्दर सोनी उम्र 25 साल निवासी ग्राम अंधडगांव थाना अधंडगाव जिला भण्डारा महाराष्ट्र

फरार आरोपी-विकास सोनी

डिवाइन स्कूल में भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रवेश उत्सव में हिस्सा लिया

बैतूल। राष्ट्रबाण

बैतूल बाजार नगर के प्रथम अंग्रेजी माध्यम स्कूल डिवाइन इंग्लिश स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ प्रवेश उत्सव मनाकर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार उपस्थित हुए। उन्होंने बच्चो को समझाइश देते हुए कहा कि आपको प्रतिदिन पढ़ना होगा। जिस दिन का कोर्स उसी दिन याद कर लो तो सफलता निश्चित मिलेगी। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रतिदिन सुबह जल्दी उठकर व्यायाम अवश्य करना चाहिए। विशेष अतिथि गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ जिला प्रभारी अनूप वर्मा ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि बच्चों को सनातनी संस्कृति से अवश्य जोड़े। शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा जिला संयोजक अजय पवार ने विद्यार्थियों से कहा कि हम जैसे कार्य करेंगे वैसे परिणाम मिलेंगे। यदि अच्छे परिणाम चाहते हो तो अच्छे कार्य करना ही पड़ेगा।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने चरणबद्ध आंदोलन का किया शंखनाद

7 अप्रैल से कर्मचारी कार्यालय में काली पट्टी बांधकर विरोध स्वरूप करेंगे कार्य

प्रेस वार्ता आयोजित कर चरणबद्ध आंदोलन की दी जानकारी

बैतूल। राष्ट्रबाण

लंबित मांगों को पूर्ण नहीं किए जाने के विरोध में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एक बार पुनः आंदोलन की राह पर है। इसी के तहत मंगलवार को संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने प्रेस वार्ता आयोजित कर अपने चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद किए जाने की जानकारी दी। प्रेसवार्ता के माध्यम से संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ.गोविंद साहू ने बताया कि अपने चरणबद्ध आंदोलन के तहत आगामी 7 अप्रैल से 16 अप्रैल तक कार्यालय में समस्त स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा विरोध स्वरूप काली पे ट्टी बांधकर कार्य करेंगे। इसके बाद 16 अप्रैल को रैली निकालकर जिला स्तर पर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद भी यदि मांगों को पूर्ण नहीं किया गया तो 22 अप्रैल से प्रदेश के समस्त 32 हजार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन की रहेगी। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के एकनाथ ठाकुर ने बताया कि चरण बद्ध आंदोलन के लिए एक बार पुनः सभी कर्मचारी मजबूर है। इस अवसर पर संघ के कोषाध्यक्ष दीपक झारिया, दसन पंद्राम, योगेंद्र दवंडे, अजय नागले, कल्पेश साहू, मनीष सुजाने, तापी चढ़ोकार, बल्लु सोनी शाहिद अन्य संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संघ की यह है प्रमुख मांगे

विभाग में रिक्त पदों पर संविलियन किया जाकर नियमित किया जाए, पूर्व से दी जा रही सुविधाओं में ईएल एवं मेडिकल को पृथक कर दिया है, अनुबंध प्रथा को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया गया है। अप्रेजल जैसी कुरीति को यथावत रखा गया है। सेवा निवृत्ति की आयु में 65 वर्ष से घटाकर 62 वर्ष किया गया है।

भारतीय मजदूर संघ ने आंदोलन का किया समर्थन

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की मांगों को जायज बताते हुए भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, जिलामंत्री पंजाब गायकवाड़ एवं संविदा महा संघ के महामंत्री ऋषभ जैन, अध्यक्ष डैनी गौड़ ने आंदोलन को नैतिक समर्थन दिया है। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के कोषाध्यक्ष दीपक झारिया, दसन पंद्राम ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत 20 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत लगभग 32 हजार कर्मचारी प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से देते आ रहे हैं। कोरोनाकाल जैसे गंभीर महामारी में भी अपने परिवार एवं जीवन की परवाह किए बगैर सेवाएं दी हैं। इन्हीं सेवा-भाव को दृष्टिगत रखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 4 जुलाई 2023 को भोपाल में महापंचायत बुलाकर संविदा कर्मचारियों के लिए अनेक घोषणाएं की थी। जिसके परिपालन में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 23 जुलाई 2023 को संविदा कर्मचारियों के लिए एक नीति की सौगात दी गई, परन्तु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल के द्वारा संविदा कर्मचारियों को दी गई सुविधाओं में कटौती की गई है।

मातृधाम में हो रही 108 दीपों से महाआरती

सिवनी। सिवनी जिले के मातृधाम में नवरात्र विशेष तरह की पूजा-अर्चना की जा रही है। यहां 108 ज्योति कलश और घट प्रज्ज्वलन के साथ मां भगवती का विशेष पूजन-अर्चन किया जा रहा है। मातृधाम में श्रीमाता ललितेश्वरी त्रिपुर सुंदरी महारानी विराजमान हैं। यह स्थान जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती महाराज की माताश्री गिरिजा देवी का पावन जन्म स्थल है। नवरात्र में श्री विद्यासपर्या पद्धति से विशेष पूजन के साथ सहस्त्रार्चन और दोनों समय 108 घृत दीपों से महाआरती हो रही है।

मंदिर के पट प्रातः 6 बजे से देर रात्रि तक भक्तों के लिए खुले रहते हैं। यहां दस महाविद्या, श्री बटुक भैरव और नवग्रह के साथ मां विराजमान हैं। नवरात्र में मध्याह्न काल में घृत और तेल के ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं।

बॉलीवुड में दस्तक देने को तैयार बैतूल का युवा कलाकार लोकेश साहू

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिले के युवा उद्योगपति और कलाकार लोकेश साहू अब बॉलीवुड की दुनिया में अपनी पहचान बनाने जा रहे हैं। हाल ही में उनका म्यूजिक एल्बम रिलीज हुआ है, जो सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा का विषय बना हुआ है। जिलेभर से लोकेश साहू को बधाइयां मिल रही हैं और उनकी उपलब्धि पर लोग गर्व महसूस कर रहे हैं।

लोकेश साहू ने बीते दो वर्षों से मुंबई में रहकर बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश की और अब वह सफलता की ओर बढ़ रहे हैं। म्यूजिक एल्बम की खास बात यह है कि इसमें मशहूर संगीतकार आदेश श्रीवास्तव की भतीजी मृदुला श्रीवास्तव ने भी अपनी आवाज दी है। एल्बम के निर्माता बॉलीवुड थीम्स के प्रवीण चंद्रा हैं, जबकि निर्देशन का जिम्मा 200 से अधिक एड फिल्में बना चुके राहुल कपूर ने संभाला है।

इस एल्बम के रिलीज से पहले ही लोकेश साहू की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। उनकी स्टाइल और उनके अंदाज को देखकर फैंस को अंदाजा हो गया था कि वह जल्द ही बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री करने वाले हैं। लोकेश साहू की यह सफलता सिर्फ एक शुरुआत है, क्योंकि वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म में भी नजर आने वाले हैं।

लोकेश साहू बैतूल जिले के सारनी निवासी धनाराम साहू के पुत्र हैं। उनकी मेहनत और जुनून ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

मुलताइ अवैध कारोबार पर रहेगी कड़ी नजर

तीन शराब दुकानें हमेशा के लिए करवाई बंद

बैतूल। राष्ट्रबाण

वित्तीय वर्ष 2025-26 की शुरुआत होते ही शासन के निर्देश अनुसार आबकारी विभाग द्वारा पवित्र नगरी मुलताई में संचालित तीन शराब दुकाने हमेशा हमेशा के लिए बन्द किये जाने की कार्यवाही कर दी गई है। जिला आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह चढ़ार ने बताया कि अधीनस्थ अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि, किसी भी स्थिति में पवित्र नगरी में शराब की अवैध खरीदी बिक्री न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। यदि कोई अवांछित व्यक्ति अवैध शराब की खरीद फरोख्त करते पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाए।

इनका कहना...

मध्य प्रदेश राजपत्र के परिपालन के अनुसार पवित्र नगरी मुलताई में संचालित सभी तीन दुकानें बन्द कराये जाने की कार्यवाही कर दी गई है। अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अवैध शराब बिक्री के मामलों में तत्काल प्रभावी कार्यवाही की जाकर मुख्यालय को सूचित किया जाए।

– **अंशुमान सिंह चढ़ार,** जिला आबकारी अधिकारी बैतूल

राजपत्र के परिपालन में सतत गश्ती के निर्देश जारी

जिला आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह चढ़ार ने बताया कि शासन स्तर पर पवित्र नगरी मुलताई में तीन शराब दुकानों के संचालन बन्द करने के निर्णय पूर्व में लिया गया था। मध्यप्रदेश राजपत्र क्रमांक 47 दिनांक 14 फरवरी 2025 के परिपालन में मुलताई नगर पालिका परिषद अंतर्गत संचालित कम्पोजिट शराब दुकान क्रमांक 1,2 एवं नागपुर नाका स्तिथ शराब दुकान क्रमांक 3 बन्द करवा दी गई हैं। अब पवित्र नगरी में शराब बिक्री पूर्णत: प्रतिबंधित कर दी गई है। आबकारी निरीक्षक सुरेंद्र देवांगन को लिखित निर्देश जारी किए गए हैं कि पवित्र नगरीय क्षेत्र नगर पालिका मुलताई में अवैध मदिरा संग्रहण, धारण, विक्रय पर प्रभावी रूप से नियंत्रण रखे जाए। पवित्र नगरी में अधीनस्थ स्टाफ के साथ सतत गश्त एवं भ्रमण किया जाए। साथ ही अवैध सूचना या शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाए। आवश्यक होने पर अधिकारीयों को पुलिस विभाग का भी सहयोग लिए जाने के लिए निर्देशित किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433